

भारत सरकार
Government of India
केन्द्रीय जल आयोग
Central Water Commission
बाढ़ पूर्वानुमान प्रबोधन निदेशालय
Flood Forecast Monitoring Directorate
e-mail : fmdte@nic.in, ffmcwc@gmail.com
Tele/ Fax: 011-26106523, 26105274

श्रूतल, विंग 7, पश्चिमी खण्ड-2,
रामाकृष्ण पुरम, नई दिल्ली-110066

विषय : दिनांक 13/08/2021 की समाचार की कतारन (News Clippings) प्रस्तुत करने के सम्बन्ध में ।

मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचारों की कतारन (News Clippings) अवलोकन हेतु प्रस्तुत है :

सलंगन : उपरोक्तानुसार

hanski
(सहायक निदेशक) 13/08/2021

उपनिदेशक

13/08/2021

निदेशक (वा.पू.प्र.)

*210 21.9
13/08/2021*

दिनांक

13/08/21 को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून /बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times (Delhi)

The Tribune (Chandigarh)

The Assam Tribune (Guwahati)

The Deccan Herald (Bengaluru)

The Telegraph (Kolkata)

Indian Express

Business Standard

The Hindu (Chennai)

13-08-2021

The Times of India (Mumbai)

The Deccan Chronical (Hyderabad)

"The Central Chronical (Bhopal)

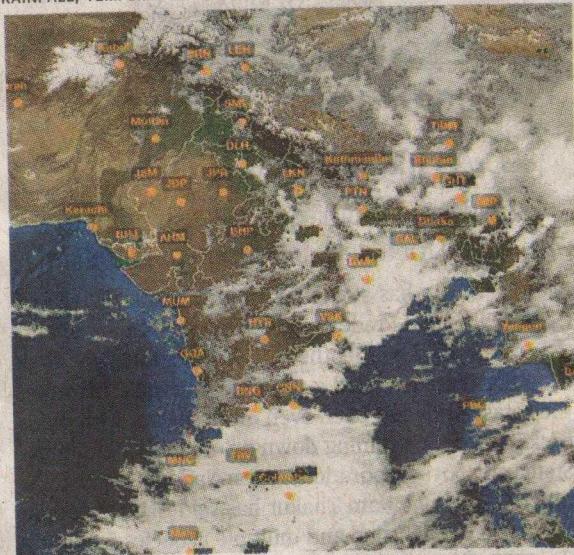
नवभारत टाइम्स

हिंदुस्तान टाइम्स

दैनिक जागरण

WEATHER WATCH

RAINFALL, TEMPERATURE & AIR QUALITY IN SELECT METROS YESTERDAY



TEMPERATURE DATA: IMD, POLLUTION DATA: CPCB, MAP: INSAT/IMD (TAKEN AT 18.00 HRS)

Forecast for Friday: Heavy/very heavy rainfall likely at isolated places over Assam, Meghalaya, Nagaland, Manipur, Mizoram, Tripura, sub-Himalayan West Bengal, Sikkim, Arunachal Pradesh, east Uttar Pradesh, Bihar, Tamil Nadu and Puducherry. Thunderstorm with lightning likely isolated places over West Bengal, Jharkhand, Odisha, Tamil Nadu, Puducherry and Karaikal.

CITY	RAIN	MAX	MIN	CITY	RAIN	MAX	MIN
Agartala	—	34.4	27.5	Kozhikode	—	30.5	23.9
Ahmedabad	—	34.5	26.4	Kurnool	—	35.0	26.5
Aizawl	—	27.0	20.5	Lucknow	—	32.4	27.7
Allahabad	—	31.8	26.9	Madurai	0.4	35.5	25.7
Bengaluru	1.6	27.0	21.3	Mangaluru	25.2	28.6	22.6
Bhopal	—	31.3	22.8	Mumbai	10	30.5	24.4
Bhubaneswar	—	35.6	26.6	Mysuru	—	31.0	21.2
Chandigarh	—	35.6	27.0	New Delhi	—	36.2	26.4
Chennai	11	34.0	27.0	Patna	—	30.6	26.6
Coimbatore	—	30.8	22.6	Port Blair	0.3	29.8	25.6
Dehradun	—	31.0	24.7	Puducherry	9.5	38.0	23.4
Gangtok	3.3	22.0	18.5	Pune	0.8	26.8	21.7
Goa	12	26.8	23.8	Raipur	38	33.0	24.0
Guwahati	4	33.9	26.9	Ranchi	—	30.0	23.6
Hubballi	—	28.0	22.0	Shillong	21.3	24.8	18.0
Hyderabad	—	33.9	24.2	Shimla	—	27.0	20.5
Imphal	7	30.8	22.4	Srinagar	—	32.2	19.8
Jaipur	—	34.2	25.4	Thiruvananthapuram	3	32.2	23.2
Kochi	0.2	29.2	24.0	Tiruchi	3	33.8	24.8
Kohima	—	26.0	18.4	Vijayawada	—	36.6	27.2
Kolkata	—	33.9	28.9	Visakhapatnam	—	36.2	27.2

(Rainfall data in mm; temperature in Celsius)

Pollutants in the air you are breathing

Yesterday

CITIES	SO ₂	NO _x	CO	PM2.5	PM10	CODE
Ahmedabad	.3	—	44	45	.271	...
Bengaluru	11	9	41	93	.90	...
Chennai	.5	30	86	32	.59	...
Delhi	10	.56	72	.155	.259	...
Hyderabad	.4	73	24	.37	.69	...
Kolkata	12	.23	27	.84	.82	...
Lucknow	—	.19	78	.86	.125	...
Mumbai	15	10	—	.46	.103	...
Pune	34	.20	56	.69	.61	...
Visakhapatnam	17	.46	41	.51	.97	...

In observation made at 4.00 p.m., Udupi, Karnataka recorded an overall air quality index (AQI) score of 265 indicating an unhealthy level of pollution. In contrast, Gadag, Karnataka recorded a healthy (AQI) score of 18.

Air Quality Code: Poor Moderate Good (Readings indicate average AQI)
SO₂: Sulphur Dioxide. Short-term exposure can harm the respiratory system, making breathing difficult. It can affect visibility by reacting with other air particles to form haze and stain culturally important objects such as statues and monuments.

NO_x: Nitrogen Dioxide. Aggravates respiratory illness, causes haze to form by reacting with other air particles, causes acid rain, pollutes coastal waters.

CO: Carbon monoxide. High concentration in air reduces oxygen supply to critical organs like the heart and brain. At very high levels, it can cause dizziness, confusion, unconsciousness and even death.

PM2.5 & PM10: Particulate matter pollution can cause irritation of the eyes, nose and throat, coughing, chest tightness and shortness of breath, reduced lung function, irregular heartbeat, asthma attacks, heart attacks and premature death in people with heart or lung disease.

दिनांक 13-8-21 को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times

The Tribune (Ch)

The Assam Tribune

The Deccan Herald

The Telegraph (K)

Indian Express

Business Standard

The Hindu (Chenn)

The Times of India

The Deccan Chronicle

"The Central Chronicle"

नवभारत टाइम्स

पहिंदुस्तान टाइम्स

13-8-21

दैनिक जागरण

यूपी में बाढ़ से घिरे 23 जिलों के 1243 गांव



लखनऊ/वाराणसी | संगठिता

उत्तर प्रदेश के 23 जिलों के 1200 गांवों की पांच लाख से अधिक आबादी बाढ़ से प्रभावित है, जहां बचाव और राहत अभियान जारी है। इस बीच मुख्यमंत्री योगी अदित्यनाथ ने वाराणसी में गंगा और वरुण के बाढ़ प्रभावित इलाकों के हवाई सर्वेक्षण के बाद बोट से भी घूमे और बाढ़ पीड़ितों का हाल जाना।

गुरुवार को दो दिवसीय दौर पर पहुंचे मुख्यमंत्री ने एनडीआरएफ की नाव से चार किमी के दौरे में पानी से घिरे मोहल्लों को देखा। इस दौरान जनप्रतिनिधियों और अफसरों से प्रभावित मोहल्लों और वहां की आबादी की जानकारी लेते रहे। उन्होंने पानी में डूबे मकानों से लोगों की शिपिटग के बारे में भी पूछा। सीएम का हेलीकाप्टर वाराणसी सीमा में तीसरे पहर करीब 3.30 बजे पहुंचा। उन्होंने 20 मिनट तक बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया। सर्वेक्षण के बाद हेलीकॉप्टर सम्पूर्णनंद संस्कृत विवि परिसर के हेलीपैड पर उतरा। मुख्यमंत्री यहां से सड़क मार्ग से राजधानी पहुंचे। यहां मुख्यमंत्री एनडीआरएफ की बोट में लगी एक कुर्सी पर लाइफ जैकेट बांधकर बैठे। उनके साथ राज्यमंत्री डॉ. नीलकंठ तिवारी व रवींद्र जायसवाल, डीएम कौशलराज शर्मा और एनडीआरएफ के कमांडेंट भी थे। दूसरी कुर्सी पर डॉ. नीलकंठ तिवारी बैठे। 11 बोट के काफिला के साथ सीएम आदिकेशव बाढ़ होते हुए वरुण नदी होते हुए पुराना पुल पहुंचे। करीब 29 मिनट की यात्रा के दौरान नीलकंठ तिवारी सीएम को मोहल्लों की जानकारी दे रहे थे।



बक्सर से कहलगांव तक गंगा विकटाल

पटना। गंगा अपना उत्तर तेवर बरकरार रखते हुए राज्य में कई जगहों पर नदा उच्चतम स्तर बनाने को बेताब है। आसपास की बड़ी नदियों में सोन और पुनर्पुन का भी बढ़ता जलस्तर स्थिति को गंभीर बना रहा है।

दो दिनों से तेजी से बढ़ रही गंगा गुरुवार को भी इलाहाबाद से फरक्का तक लाल निशान के काफी ऊपर बह रही है। मुंगेर को छोड़कर सभी जगहों पर यह नदी लाल निशान से एक मीटर से ज्यादा ऊपर है। पटना और बक्सर के साथ ही सभी तटवर्ती जिलों के दियारा क्षेत्र के घरों में पानी छुसने लगा है। बक्सर- कोचस स्टेट हाईवे पर भी लगभग एक फुट पानी चढ़ गया है। भागलपुर में एनएच 80 पर कई जगहों पर बाढ़ का पानी बहने लगा है। भागलपुर जिला मुख्यालय का दूसरे जिलों से संपर्क करने की स्थिति है। दियारा में खरीफ फसलें ढूँढ़ गई हैं। वहां समस्तीपुर के मोहनपुर व माहित्यनगर प्रखंड की दर्जनों पंचायतों का संपर्क जिला मुख्यालय से कट गया है।

किन्नौर में 14 हुई गुतकों की संख्या

शिमला। हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले में बुधवार को हुए भूस्खलन स्थल पर मलबे से गुरुवार को चार और शव बरामद किए गए। इसके साथ इस आपदा में मरने वालों की संख्या बढ़कर 14 हो गई है। अभी भी करीब 25 लोगों के फेसे होने की आशंका है। भूस्खलन की चोपट में बस, ट्रक समेत छह वाहन आ गए थे। बुधवार रात अंधेरा होने की वजह से नौ बजे के बाद बचाव अभियान स्थगित कर दिया गया था। राज्य आपदा प्रबंधन निदेशक सुदेश कुमार मोख्ता ने बताया कि गुरुवार सुबह छह बजे दोबारा शुरू हुए, राहत एवं बचाव अभियान में हिमाचल परिवहन निगम की बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हालत में मिली है। एक पूरी तरह से क्षतिग्रस्त ऑलटो कार भी बरामद की गई है, लेकिन उसके अंदर कोई नहीं मिला है। एक बोलेरो वाहन के अभी भी मलबे में दबे होने की आशंका है। उन्होंने बताया कि बचाव अभियान स्थानीय पुलिस के सदस्य, होमगार्ड, एनडीआरएफ, आईटीबीपी संयुक्त रूप से चला रहे हैं।

वाराणसी में गुरुवार को बाढ़ प्रभावित इलाकों का निरीक्षण करते उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

• हिन्दुस्तान

सहानुपर-देहरादून एनए तीन घंटे बंद रहा

दिल्ली-देहरादून नेशनल हाईवे पर डाट मंदिर के पास पहाड़ खिसकने से मलबा रोड पर आया। पहाड़ियों में जोरदार बारिश के बाद यह हादसा हुआ है। मलबा रोड पर आने से हाईवे पर तीन घंटों तक आवागमन पूर्ण रूप से बंद रहा। सूचना पर तत्काल पहुंची थीना पुलिस ने नेशनल हाईवे को जेसीबी के माध्यम से मलबा हटाकर सुचारू कराया। दिल्ली देहरादून हाईवे पर शिवालिक की पहाड़ियों में डाट मंदिर से पूर्व पहाड़ का मलबा खिसक कर सड़क पर आ गया, जिस कारण दोनों तरफ गाड़ियों की लंबी कतारें लग गईं। मोहड़ से लेकर डाट मंदिर तक हाईवे पूरी तरह से बंद हो गया था। तीन घंटों तक यात्री फंसे रहे। पुलिस गोकर्ण के पर पहुंची और तत्काल जेसीबी को बुलाया गया। घंटों की मशक्कत के बाद जेसीबी के माध्यम से मलबे को खाई में डाला गया।